अंक 29, अक्टूबर 2019

BLOG

Balmer Lawrie
Organisational Gazette

संपादकीय...

अमेरिकी जनगणना ब्यूरो द्वारा प्रकाशित ताजा जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक, हाल के दिनों में अमेरिका में लगभग साढ़े छह लाख लोगों द्वारा बोली जाने वाली सबसे बड़ी भारतीय भाषा के रूप में उभर रही हिंदी पर एक मीडिया कहानी पढ़ना दिलचस्प था। 2009 से 2013 तक एकत्र किए गए अमेरिकी सामुदायिक सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित अमेरिकी जनगणना ब्यूरो ने कहा कि अमेरिका में 60 लाख से अधिक लोग घर पर अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषा बोलते हैं, जिनमें से 25 लाख अंग्रेजी बोलते हैं। भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी भारत से इस सूची में सबसे ऊपर है। हिंदी के अलावा, सभी प्रमुख भारतीय भाषाएँ भी अमेरिका में बोली जाती हैं। आठ साल की अवधि में, 2010 के बाद से अमेरिका में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या में 2.65 लाख की वृद्धि हुई है, जो 43.5% की वृद्धि है, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

विश्व स्तर पर हिंदी दुनिया की चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है और भारत में करीब 50 फीसद लोग हिंदी बोलते हैं। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2001 से 2011 तक हिंदी बोलने वाले 10 करोड़ लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है, इस प्रकार, यह देश में सबसे तेजी से बढ़ती हुई भाषा है। हिंदी भाषा के महत्व को बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी मान्यता दी गई है। आज लोकप्रिय सर्च इंजन, न्यूज साइट और ऑनलाइन शॉपिंग साइट हिंदी में उपलब्ध हैं। यह जानना दिलचस्प है कि वर्ष 2017 में पहली बार ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में **अच्छा, बच्चा, सूर्य नमस्कार और बड़ा दिन** जैसे शब्द शामिल किए गए। हिंदी सबसे आसान भाषाओं में से एक है, जिसे एकदम वैसा ही पढ़ा जा सकता है जैसे वो लिखी गई है। चूंकि हिंदी एक सरल भाषा है, इसलिए हमारे देश को एक साथ बांधने में इसका अपार महत्व है, विशद रूप से विविध है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी हिन्दी के प्रति बड़ा गहरा प्रेम था। उनका कहना था कि हृदय की कोई भाषा नहीं है, हृदय-हृदय से बातचीत करता है और हिन्दी हृदय की भाषा है। राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है और हिंदुस्तान के लिए देवनागरी लिपि का ही व्यवहार होना चाहिए। उनका यह विचार था कि हिन्दी भाषा का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है। अखिल भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है जिसे जनता का अधिकतम भाग पहले से ही जानता-समझता है और हिन्दी इस दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ है। राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। वर्ष 1918 में महात्मा गांधी ने हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। हिंदी को गांधी जी ने जनमानस की भाषा भी कहा था।

बामर लॉरी संगठनात्मक राजपत्र (ब्लॉग) के अक्टूबर अंक को राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोगार्थ समर्पित करने की प्रथा है। इसलिए, ब्लॉग का यह अंक हिंदी में प्रकाशित हुआ है और कंपनी अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी पखवाड़ा समारोह को संपूर्ण रूप से शामिल करती है। हिंदी दिवस 14 सितंबर 2019 को मनाया गया। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को भारत की राजभाषा के रूप में देवनागरी लिपि में हिंदी को अपनाया। देश भर के सभी चार क्षेत्रों में इन दिनों हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किए गए। कॉर्पोरेट कार्यलय में हिंदी पखवाड़ा समारोह 14 सितंबर को शुरू हुआ और 28 सितंबर 2019 तक जारी रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम में होने के नाते, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने कार्यालयीन कार्य और संचार में हिंदी के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में लगातार काम करें। यदि हम में से हर कोई जहां भी संभव हो, दिन-प्रतिदिन संपर्क के लिए राजभाषा का उपयोग करने की पहल करता है, तो हम भाषा को एक फिलिप देने में मदद करेंगे। मैं, इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय और चारों क्षेत्रों में हिंदी विभाग के सदस्यों को धन्यवाद देना चाहूंगी। हालाँकि, मेरे कुछ सहयोगियों को मेरा विशेष धन्यवाद जिन्होंने संगठन के अंदर हिंदी को बढ़ावा देने में लगातार सहयोग प्रदान किया है। वे हैं श्री शिव नाग कुमार चेरुकुपल्ली, वरिष्ठ प्रबंधक [मा. स. व राजभाषा], श्रीमती ममता प्रसाद, वरिष्ठ प्रबंधक [राजभाषा व प्रशासन], श्री कौशिक प्रसाद, उप प्रबंधक [राजभाषा कार्यान्वयन] और श्री गोपाल दास, अधिकारी [राजभाषा व मा.सं.]। आशा है कि आप इस अंक को पढ़ने का आनंद उठाएंगे। कृपया असीमित प्रतिभा कॉलम के लिए अपने सुझाव, प्रतिक्रिया और योगदान mukhopadhyay.mohar@balmerlawrie.com पर भेजें।

आपके और आपके परिवार के लिए शुभकामनाएँ !

हिंदी भाषा के बारे में रोचक तथ्य

- हिन्दी विश्व की एक प्रमुख भाषा है एवं भारत की राजभाषा है। केन्द्रीय स्तर पर भारत में दूसरी आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है। यह हिंदुस्तानी भाषा की एक मानकीकृत रूप है जिसमें संस्कृत के तत्सम तथा तद्भव शब्दों का प्रयोग अधिक है और अरबी-फ़ारसी शब्द कम हैं। हिंदी संवैधानिक रूप से भारत की राजभाषा और भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हालाँकि, हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं है, क्योंकि भारत के संविधान में कोई भी भाषा को ऐसा दर्जा नहीं दिया गया था। चीनी के बाद यह विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा भी है। विश्व आर्थिक मंच की गणना के अनुसार यह विश्व की दस शक्तिशाली भाषाओं में से एक है।
- हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर सन् 1949 को स्वीकार किया गया। इसके बाद संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा के सम्बन्ध में व्यवस्था की गयी। इसकी स्मृति को ताजा रखने के लिये 14 सितम्बर का दिन प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- हिन्दी भारत में सम्पर्क भाषा का कार्य करती है और कुछ हद तक पूरे भारत में आमतौर पर एक सरल रूप में समझी जानेवाली भाषा है। हिन्दी का कभी-कभी 9 भारतीय राज्यों अर्थात् बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के संदर्भ में भी उपयोग किया जाता है, जिनकी आधिकारिक भाषा हिंदी है और हिन्दी भाषी बहुसंख्यक हैं।।
- हिन्दी और इसकी बोलियाँ सम्पूर्ण भारत के विविध राज्यों में बोली जाती हैं। भारत और अन्य देशों में भी लोग हिंदी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। फ़िजी, मॉरिशस, गुआना, सूरीनाम, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात की जनता भी हिन्दी बोलती है। फरवरी 2019 में आबू धाबी में हिन्दी को न्यायालय की तीसरी भाषा के रूप में मान्यता मिली। दुनिया में करीब 150 देश ऐसे हैं जहां हिंदीभाषी लोग मौजूद हैं।
- हिंदी दुनिया की ताकतवर भाषाओं में शामिल है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा तैयार पावर लैंग्वेज इंडेक्स के मुताबिक वर्ष 2050 तक हिंदी दुनिया की ताकतवर भाषाओं में से एक होगी।
- एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय युवाओं के स्मार्टफोन में औसतन 32 ऐप में 8 से 9 हिंदी के हैं। भारतीय युवा यू-ट्यूब पर 93 प्रतिशत हिंदी वीडियो देखते हैं। डिजिटल मीडिया में हिंदी कंटेंट की मांग करीब 94 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

उल्लेखनीय घटनाक्रम @ बामर लॉरी

➲ हमारी कंपनी की 102 वीं वार्षिक आम बैठक 18 सितंबर 2019 को कोलकाता के बिड़ला सभागार में आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक श्री प्रबाल बासु ने की और कंपनी सचिव और वित्त दल के सदस्यों के साथ सभी कार्यकारी निदेशकों, सरकार द्वारा नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों ने भाग लिया। बामर लॉरी ने 2018-19 के दौरान 1,857 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार दर्ज किया, जबकि 2017-18 में 1,796 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार दर्ज किया गया, जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 3% की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, कंपनी ने 2018-19 में 280.10 करोड़ रुपये कर पूर्व लाभ दर्ज किया, जबकि 2017-18 में यह 261.11 करोड़ रुपये थी, वृद्धि विभिन्न एसबीयू के बेहतर प्रदर्शन के कारण हुई, विशेष रूप से, एसबीयू: ट्रैवल & वेकेशंस, ग्रीसेस & लुब्रीकेंट्स और वर्ष 2018-19 के दौरान अर्जित उच्च लाभांश आय।

➲ बामर लॉरी, कॉर्पोरेट ट्रैवल मैनेजमेंट में एक मार्केट लीडर अपने ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल (wwwbalmerlawrietravel.com) के नए अवतार का अनावरण किया। पोर्टल, जिसे अब फ्लाईलाइककिंग डॉट कॉम के रूप में जाना जाता है, श्री प्रबाल बासु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा 15 जुलाई 2019 को कोलकाता में कंपनी के सभी निदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में लॉन्च किया गया। फ्लाईलाइककिंग डॉट कॉम का उपयोग करना आसान है और यह हिंदी, अंग्रेजी में उपलब्ध है और शीघ्र ही अन्य क्षेत्रीय भाषाओं जैसे बांग्ला, उड़िया, असमिया, तमिल और गुजराती में उपलब्ध होगा। पोर्टल पर सीमित अवधि के लिए टिकट बुक करने पर शून्य प्रसंस्करण शुल्क और क्रेडिट कार्ड बुकिंग पर शून्य सुविधा शुल्क होंगे। इसके अलावा, एलटीसी टिकट के लिए लॉयल्टी प्वाइंट प्रदान किए जाएंगे। फ्लाईलाइककिंग डॉट कॉम का शुभारंभ बदलते समय और ग्राहकों की वरीयताओं के साथ अपनी सेवाओं और उत्पादों को पुन: प्रस्तुत करने के लिए कंपनी के प्रयास का हिस्सा है।

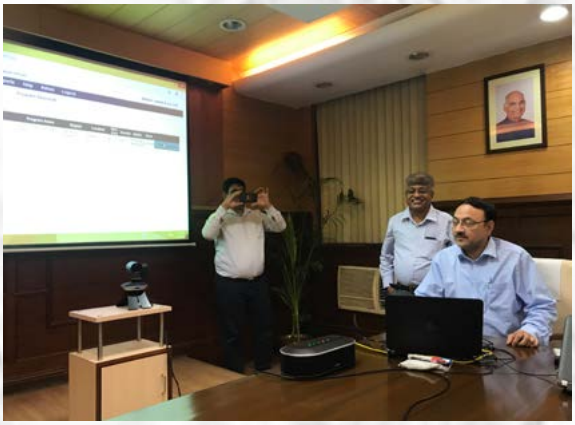

➲ हमारी कंपनी में ई-ऑडिट प्रणाली 4 सितंबर 2019 को लाइव हो गई। श्री प्रबाल बासु, अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक ने इस प्रणाली का उद्घाटन किया, जो सुशासन और पारदर्शिता का लाभ उठाने वाली प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए एक पहल है। सभी स्थानों को गो-लाइव समारोह के दौरान कॉर्पोरेट कार्यालय के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा गया था। ई-ऑडिट प्रणाली शुरू करने से पहले, कर्मचारियों और लेखा परीक्षाकर्ताओं के लिए कंपनी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। वर्ष 2019-20 से शुरू होने वाली लेखा परीक्षा प्रक्रिया के लिए ई-ऑडिट प्रणाली अपनाई जाएगी। ई-ऑडिट प्रणाली को ऑनलाइन और वास्तविक समय-आधारित ऑडिट प्रक्रिया के निष्पादन के लिए कंपनी भर में लागू किया गया है। ई-ऑडिट लेखा परीक्षक, लेखा परीक्षार्थी और प्रबंधन के बीच पारदर्शिता प्रदान करते हुए कागज़ रहित लेखा परीक्षा की अवधारणा का परिचय देता है। लेखा परीक्षार्थी को बेहतर अनुपालन के लिए संबंधित इतिहास और दस्तावेजों को तत्काल पुन: प्राप्त करने में सुविधा प्रदान की जाती है। समाधान के साथ मुद्दों को, यदि अन्य स्थानों में प्रचलित हों, बेहतर समझ के लिए देखा जा सकता है। लेखा परीक्षक और लेखा परीक्षार्थी के बीच बेहतर समझ का एक लूप, दस्तावेजों, केंद्रित रपटों की तुरंत पुनर्प्राप्ति, साथ ही ऑडिट कार्यक्रमों की योजना बनाने में मदद करता है, जिससे श्रम दिनों की प्रत्यक्ष बचत होती है। इसके अलावा, रिपोर्टिंग और आगे के विश्लेषण के लिए तैयार डेटा बैंक के रूप में कारगर, ई-ऑडिट कीमती श्रम घंटों की बचत करता है। सहायक दस्तावेजों के साथ अवलोकन का पूरा पता लगते हुए ई-ऑडिट पीढ़ी से उनके समाधान के लिए टिप्पणियों को ट्रैक करता है। ई-ऑडिट के माध्यम से, जोखिम और नियंत्रण

.....

आधारित लेखा परीक्षा और अनुपालन को बढ़ावा दिया जाता है। इसके अलावा, यह जोखिम रेटिंग के आधार पर सुधारात्मक कार्रवाई को प्राथमिकता देने का अवसर प्रदान करता है।

➲ हैदराबाद और बेंगलुरु में टाउन हॉल की बैठकें क्रमशः 31 जुलाई और 1 अगस्त 2019 को आयोजित की गईं। महत्वपूर्ण कर्मचारी एंगेजमेंट की पहल, प्रत्येक वर्ष टाउन हॉल की बैठकों का आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर किया जाता है, जिसके दौरान अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक और कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक सभी कार्यपालकों और अधिकारियों को संबोधित करते हैं। यह पहल कर्मचारियों को अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक और निदेशकों के साथ बातचीत करने और सुझाव देने के लिए एक मंच प्रदान करती है। मई 2019 में कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई और सिलवासा में टाउन हॉल की बैठकें हुईं।

➲ श्री मानस कुमार गांगुली, मु.प्र.अ. [लॉजिस्टिक्स], श्री सुशील दुगड़, प्रमुख [एस&एम] और श्री रोमेश श्रीवास्तव, आरएच-एन ने दिनांक 22 अगस्त, 2019 को कमिश्नर का कार्यालय, वाराणसी में आयोजित "फैसिलिटेटिंग वाराणसी एज़ एन एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट हब" कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री पी.के.बोरठाकुर, आईएएस व वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री केशव चंदा ने की। अन्य प्रतिभागियों में शामिल थे विभिन्न राज्य व जिलों के कुछ निर्यातक, किसान और फार्म प्रोड्यूस एग्रीगेटर और स्पाइसजेट एयरलाइंस के अधिकारीगण। एपीईडीए ने बामर लॉरी से हवाई माल ढुलाई के लिए एयरलाइन और अन्य एजेंसियों के साथ चर्चा करने और उपलब्ध एयरलाइन मार्गों पर आंकड़ों का संकलन करने को कहा है। बामर लॉरी के प्रतिनिधियों ने अंतर्देशीय जलमार्गों का उपयोग करके कार्गो की आवाजाही का पता लगाने के लिए वाराणसी के अंतर्देशीय जल टर्मिनल का भी दौरा किया।

➲ कौशल विकास पहल के एक हिस्से के रूप में, बामर लॉरी (बीएल) ने जनवरी 2018 में ट्रैवल & वेकेशंस के तेरह प्रशिक्षुओं के प्रथम बैच के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण शुरू किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सितंबर 2019 में उत्तरी क्षेत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा बीएल के भागीदारों- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और पर्यटन और आतिथ्य कौशल परिषद (टीएचएससी) के समर्थन

द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। प्रशिक्षुओं के लिए कार्यक्रम बहुत ही महत्व का था, जिनके पूरा होने के पश्चात् उन्हें रोजगार प्राप्त होने में मदद मिली।

➲ बामर लॉरी, स्वदीप शिक्षण विकास संस्थान (एसएसवीएस), अहमदाबाद, और कलेक्टर, दादरा और नगर हवेली, सिलवासा ने 1 अगस्त 2019 को खडोली, सिलवासा में सायली विलेज और स्वच्छ भारत गतिविधियों के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता - शिक्षा पर क्षमता निर्माण पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जबकि बामर लॉरी प्रायोजक भागीदार है और परियोजना को वित्तपोषित करेगा, संचालन-भागीदार एसएसवीएस, अहमदाबाद और जिला प्रशासन, सिलवासा द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। परियोजना के दोहरे उद्देश्य हैं - एक यह सुनिश्चित करना है कि पूर्व-प्राथमिक और प्राथमिक स्कूलों में बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता और व्यवहार परिवर्तन की समझ के माध्यम से स्टंटिंग के मुद्दे और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के मृत्यु दर को नियंत्रित कर गुणवत्ता शिक्षा प्रदान की जाती है। दूसरा उद्देश्य माता-पिता, शिक्षकों और स्कूलों से जुड़े श्रमिकों को समुदाय से जोड़ने की पहल में शामिल करना है। बामर लॉरी की सिलवासा में विनिर्माण इकाइयाँ हैं और वह उस क्षेत्र में रहने वाले समुदायों की देखभाल करती है।

➲ स्वच्छ भारत अभियान के तहत, 11 सितंबर से 2 अक्टूबर 2019 तक स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) का आयोजन किया गया था। माननीय प्रधान मंत्री ने इस आंदोलन को एक नए अवतार में आगे बढ़ाया है, जहां उन्होंने नागरिकों से प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। बामर लॉरी में, स्कूलों और कार्यान्वयन भागीदारों के सहयोग से सिलवासा और कोलकाता में श्रमदान, स्वछता रैली और "नो प्लास्टिक" जागरूकता कार्यशाला, जूट के थैलों का वितरण, प्लॉगिंग इत्यादि जैसे विभिन्न एसएचएस गतिविधियों का आयोजन किया गया।

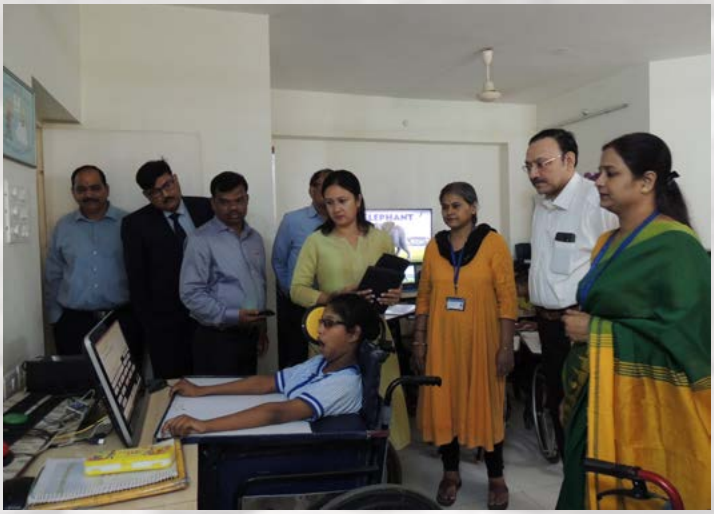

➲ अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक एवं निदेशकों ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सेरेब्रल पालसी का 18 सितंबर 2019 को संदर्शन किया। इस इंस्टीट्यूट को सी एस आर के तहत कंपनी द्वारा मदद किया जाता है।

.....

➲ 18 सितंबर 2019 को पूर्वी क्षेत्र के कार्यालयों और प्लांटों में विश्वकर्मा पूजा बहुत धूमधाम से मनाई गई।

➲ भारत सरकार की संवैधानिक नीतियों के तहत "संबंधित सभी कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन एक संवैधानिक ज़िम्मेदारी है, जिसका अनुपालन हम सभी पर बाध्यकारी है और बाध्यता के तहत हमें विभिन्न प्रकार की संवैधानिक स्थितियों से गुजरना पड़ता है और उन्हीं में से एक है –"संसदीय राजभाषा समिति"। संसदीय राजभाषा समिति समय-समय पर देश के विभिन्न भागों में अवस्थित केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों / निगमों / उपक्रमों / फ़ैक्टरियों तथा प्रशासनिक कार्यालयों का निरीक्षण करती रहती है। संबंधित कार्यालय से यह अपेक्षा की जाती है कि वह यह सुनिश्चित करें कि समिति कार्यालय को प्रश्नावली के माध्यम से दी जाने वाली जानकारी अपने आप में पूर्ण है, तथ्यात्मक है तथा सही है।

उक्त विषय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय स्तर पर "संसदीय समिति निरीक्षण प्रश्नावली पर दिनांक 29 अगस्त 2019 को लोनावाला में एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बामर लॉरी के राजभाषा से जुड़े अधिकारियों, मानव संसाधन प्रमुखों एवं पश्चिम क्षेत्र के सभी प्लांट प्रमुख तथा विभागाध्यक्षों को शामिल किया गया था ताकि कंपनी के किसी भी लोकेशन पर संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण किए जाने के दौरान भरी जाने वाली प्रश्नावली में एकरूपता बनी रहे और समय पड़ने पर एक दूसरे के सहायक हो सके। कार्यशाला के वक्ता के तौर पर श्री राम विचार यादव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा कार्यान्वयन), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने प्रश्नावली को किस प्रकार भरा जाना है, संसदीय समिति द्वारा अपेक्षित जवाब किस प्रकार देना है तथा प्रश्नावली के परस्पर संबंधी प्रश्नों के प्रति किस प्रकार जागरूक रहते हुए उत्तर भरना है, पर विस्तार में बताया गया।

श्री रत्नशेखर अडिका, निदेशक (मानव संसाधन एवं सी ए) ने अपने उद्घाटन संबोधन में सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि समय आ गया है कि हमें "हिन्दी भाषा" की गरिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए उसे आत्मा से जोड़ना होगा।

कार्यशाला का विषय अत्यंत गहन एवं महत्वपूर्ण था, अत: संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण प्रश्नावली को सभी प्रतिभागियों से भरवाया गया और संसदीय निरीक्षण समिति की भाँति मॉक संसदीय निरीक्षण भी की गई ताकि प्रश्नों को व्यावहारिक तौर पर समझाया जा सके। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने सहर्ष एवं उत्सुकतापूर्वक हिस्सा लिया।

.....

हिन्दी दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

सभी कर्मचारियों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति में वहां की राष्ट्र भाषा का अहम योगदान होता है। राष्ट्रभाषा की वही भूमिका है जैसे शरीर में रक्तवाहिनीयों की। हमारा देश अपने आप में कई विविधताओं को समेटा हुआ है। लेकिन इन विविधताओं को भी एकरूपता प्रदान करती है हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी। भारतीय संविधान सभा ने, 14 सितम्बर 1949 को, देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी स्मृति में हर वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्र के अस्तित्व के लिए राष्ट्रभाषा की बहुत ही अहम भूमिका है। वर्तमान में देश की लगभग 45 फीसदी आबादी हिंदी को अपनी मातृ-भाषा के रूप में स्वीकारती है। जनगणना के इन आंकड़ों से इतर, हिंदी अब, भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर देश-दुनिया की जुबान बन रही है। विश्व के सभी प्रमुख विकसित एवं विकासशील देश अपनी-अपनी भाषाओं में ही अपना सरकारी कामकाज करके उन्नत हुए हैं।

हमारी कंपनी में हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और हमारा यह उद्देश्य है कि कंपनी में भारत सरकार द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए।

मुझे सिर्फ आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में आप सभी उत्साह से भाग लेकर राजभाषा हिंदी के विकास में गति लाएंगे और राजभाषा हिंदी का उपयोग केवल हिंदी पखवाड़े के दौरान ही नहीं बल्कि वर्ष भर करने के हर संभव प्रयास करेंगे।

धन्यवाद,

प्रबाल बासु

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

14 सितम्बर 2019

********** ध्यान देने योग्य बातें **********

- **हिंदी में बातचीत और बैठकों में भी हिंदी में चर्चा करें।**
- **पत्रों, रजिस्टरों, फॉर्म एवं वाउचर ईत्यादि पर हिंदी में हस्ताक्षर करें।**
- **सभी व्यक्तिगत दावे/क्लेम्स हिंदी में करें।**
- **हिंदी में प्राप्त पत्रों/मेल का उत्तर अनिवार्य रूप से हिंदी में ही दें।**
- **नोटिंग/टिप्पण हिंदी में लिखें।**
- **हिंदी पत्राचार बढ़ाएँ और हिंदी प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाएं।**
- **हिंदी के छोटे-छोटे व आसान शब्दों का प्रयोग करें।**
- **गेस्ट हाउस एवं वाहन के लिए ई-मेल अनिवार्य रूप से हिंदी में करें।**

.....

बामर लॉरी में हिन्दी पखवाड़ा

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसके भाषा और उसकी संस्कृति से होती है। भाषा के द्वारा मनुष्य अपने विचारों का आदान-प्रदान करता है। एक भाषा के रूप में हिन्दी सिर्फ भारत की पहचान ही नहीं है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है।

हिन्दी के ऐतिहासिक अवसर को याद करने तथा हिन्दी के प्रचार - प्रसार एवं इसके महत्व और अधिकाधिक प्रयोग के लिए हर वर्ष 14 सितंबर को पूरे देश में हिन्दी दिवस मनाया जाता है और कहीं हिन्दी सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा तथा कहीं - कहीं हिन्दी माह का भी आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत सरकारी कार्यालयों, स्कूलों, कॉलेज और साहित्य संगठनों द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है।

पूर्वी क्षेत्र

हर वर्ष की भांति हिंदी का राजभाषा के रूप में प्रचार प्रसार करने के लिए और कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कोलकाता स्थित प्रधान कार्यालय, जी&एल, सीएफएस और आईपी में 14.09.2019 से 28.09.2019 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

14.09.2019 को हिन्दी पखवाड़े के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में श्री प्रबाल बासु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा दिए गए संदेश को कर्मचारियों तक पहुंचाया गया। अपने संदेश में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने कर्मचारियों से अपील की थी कि वे राजभाषा हिंदी के विकास में गति लाएं और वे राजभाषा हिंदी का उपयोग केवल हिंदी पखवाड़े के दौरान ही नहीं बल्कि वर्ष भर करने के हर संभव प्रयास करें। कार्यक्रम के दौरान हिन्दी शब्द लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के पश्चात् वहाँ उपस्थित कर्मचारियों ने सुरीले अंदाज़ में हिन्दी गाना गाकर सभी का भरपूर मनोरंजन भी किया।

इस पखवाड़े के दौरान हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता, और हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता, हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, हिन्दी लेखन व पठन प्रतियोगिता, हिन्दी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों में प्रधान कार्यालय, जी&एल, सीएफएस और आईपी के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

14.09.2019 को जी & एल में हिन्दी शब्द लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिष्ठान के अधिकारी व कर्मचारी गण ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

16.09.2019 को प्रधान कार्यालय में हिन्दी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक महोदय ने अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित किया। इस प्रतियोगिता में प्रतिष्ठान के अधिकारी व कर्मचारी गण ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया एवं विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

.....

17.09.2019 को प्रधान कार्यालय में हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिष्ठान के अधिकारी गण ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

20.09.2019 को आईपी में आयोजित हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अधिकारी व कर्मचारीगण।

20.09.2019 को सीएफ़एस में आयोजित हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अधिकारी व कर्मचारीगण।

23.09.2019 को प्रधान कार्यालय में "बिजिनेस स्टैंडर्ड" पत्रिका द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी लेखन एवं पठन प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

24.09.2019 को प्रधान कार्यालय में हिन्दी प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

.....

27.09.2019 को हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह में हास्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें सुविख्यात कवियों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से सभी का मनोरंजन किया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में कंपनी के युवा प्रतिभाओं द्वारा हिन्दी गीत प्रस्तुत किए गए जिसकी सभी ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

पश्चिम क्षेत्र

प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी बामर लॉरी के पश्चिम क्षेत्र के सभी छोटे - बड़े कार्यालयों में राजभाषा माह का आयोजन किया गया था। राजभाषा माह के दौरान विभिन्न प्रकार के लेखन तथा मौखिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। हिन्दी दिवस के दिन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जी के संदेश को पढ़ा गया।

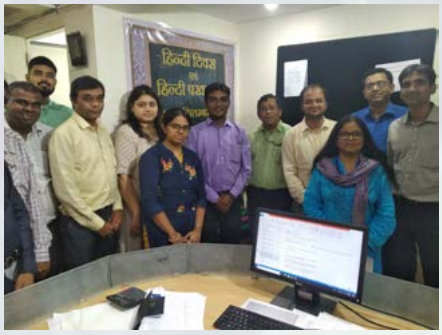

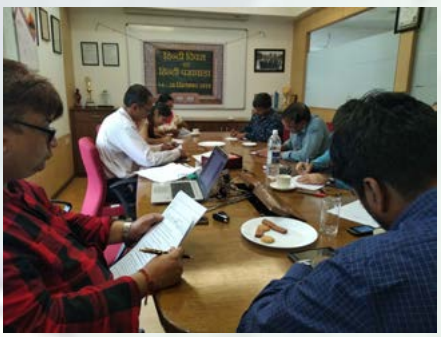

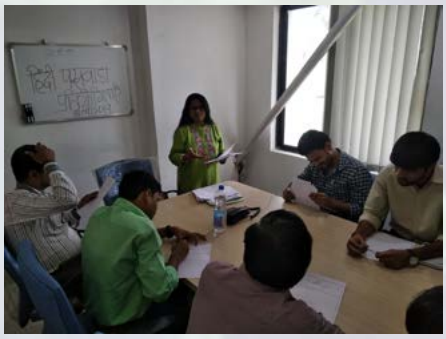

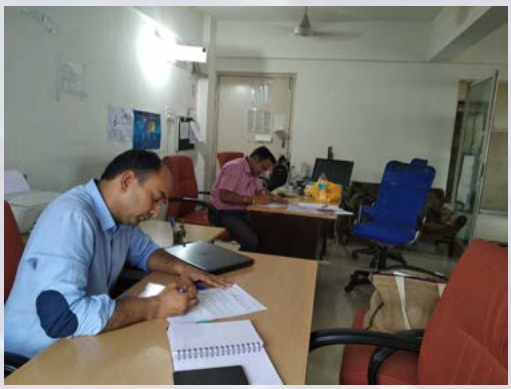

निबंध, लिखित क्विज प्रतियोगिता, सृजनात्मक विज्ञापन लेखन, निविदा अनुवाद एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं में वरिष्ठ अधिकारियों स्थायी/ अस्थाई कर्मचारियों, एफ टी सी, डाइरैक्ट कांट्रैक्ट एवं आउटसोर्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुल 266 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया था। प्रतियोगिताओं के दौरान यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि हिन्दी सभी की आत्मा में बसती है, बस है तो "झिझक का बहुत मोटा आवरण" जो दैनिक काम-काज में बाधक के तौर पर खड़ी है। जन जन की प्रिय भाषा होने के कारण सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों ने सहर्षता एवं उत्साहपूर्वक भाग लिया और हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना आत्मिक योगदान दिया।

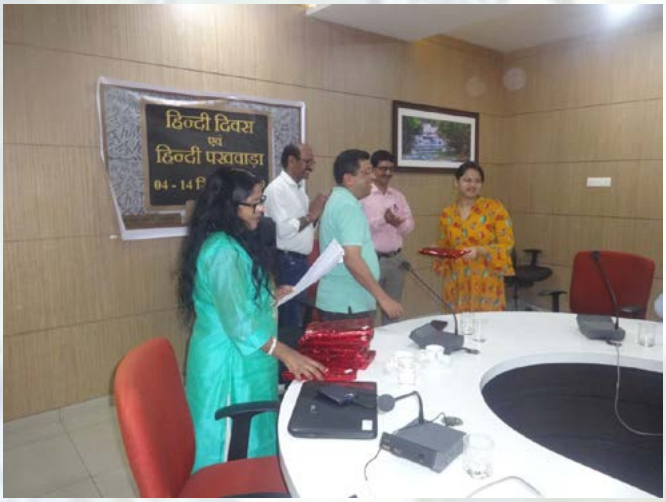

.....

दिनांक 20 सितंबर 2019 को सिलवासा में राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। विजेताओं को पुरस्कार श्री पार्थो चटर्जी, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), पश्चिम क्षेत्र के कर कमलों से प्रदान किया गया था और उनके द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों को राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयास करने का आग्रह किया गया। इस कार्यक्रम से सिलवासा में रहने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के परिवारों को भी जोड़ा गया था। परिवार की महिला सदस्यों द्वारा भी निबंध लेखन एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया गया जबकि उनके लिए ये प्रतियोगिताएं आकस्मिक थी।

हमारी कंपनी द्वारा सिलवासा में सामाजिक दायित्व के अंतर्गत बच्चों के बौद्धिक विकास निर्माण के प्रति दो लर्निंग रिसोर्स सेंटर प्रायोजित किए जा रहे हैं जोकि डूंगड़पाड़ा एवं झड़ीपाड़ा में है। इन स्कूल के बच्चों में भी हिन्दी भाषा की जागरूकता के लिए हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी थी। बच्चों ने बड़ी सहजता और उत्साह से इसमें हिस्सा लिया।

दिनांक 30 सितंबर 2019 को मुंबई कार्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर श्री सुंदर शेरीगर, प्रशासनिक प्रमुख (पश्चिम क्षेत्र) एवं श्री राज माइती, प्रमुख (वीई) द्वारा अवसर पर सभी उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित किया गया एवं हिन्दी पखवाड़े के सफल आयोजन में उनके प्रयत्न, प्रतिभागिता और उत्साह की प्रशंसा की गई और सभी को दैनिक कामकाज़ में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया।

हिन्दी के महत्व को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर जी ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था, उन्होने कहा था, "भारतीय भाषाएँ नदियाँ हैं और हिन्दी महानदी"।

आँकड़ों का हिसाब न करें बस राजभाषा हिन्दी की उन्नति में अपना सहज योगदान दें।

.....

उत्तरी क्षेत्र

उत्तरीय क्षेत्र के कार्यालयो में दिनांक 01.09.2019 से 15.09.2019 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस पखवाड़े के दौरान कार्यालयो में निम्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई :-

- कार्यालय में हिंदी के प्रचार/प्रसार के लिये आप के सुझाव अथवा जल संरक्षण पर 150 शब्द का लेखन
- इस्तेमाल होने वाले प्रशासनिक शब्दार्थ / हिंदी वाक्यांश

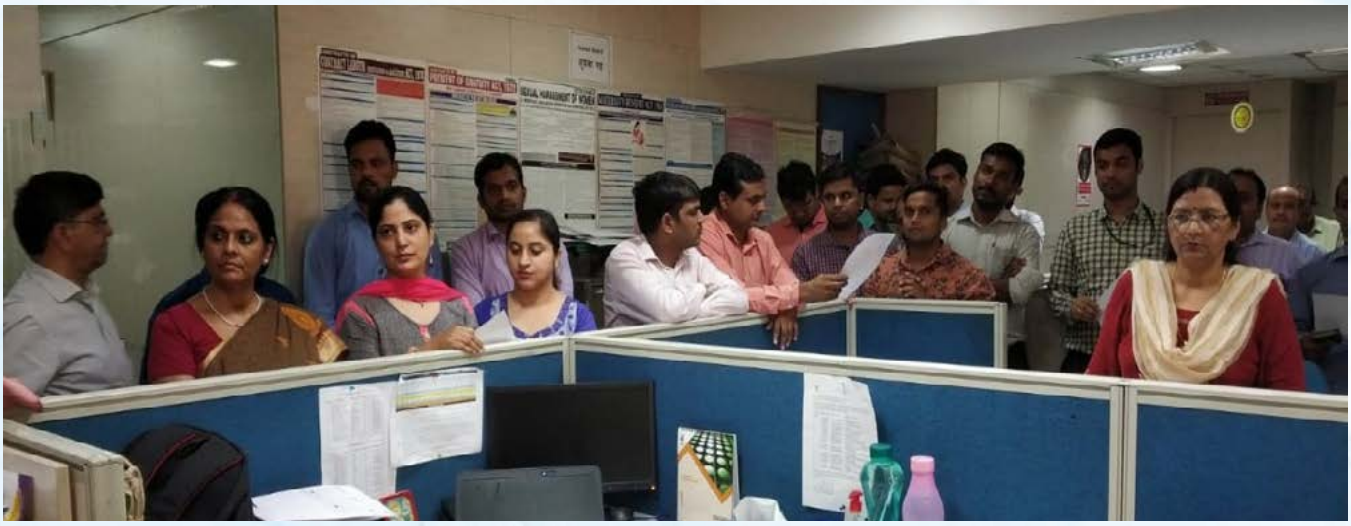

.....

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को दिनांक 17.09.2019 को स्कोप कॉम्प्लेक्स कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह के दौरान पुरस्कृत किया गया। हिंदी दिवस समारोह के दौरान हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता भी कराई गयी और सही उत्तर देने वाले विजेता को भी पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण क्षेत्र

हिन्दी पखवाड़ा समारोह 1 सितम्बर से 14 सितम्बर 2019 तक कंपनी के चेन्नई कार्यालयों में भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

05.09.2019 को श्री ए तिरुवाम्बलम, उपाध्यक्ष (कार्य) एवं श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक (एचआर & ईआर) की अध्यक्षता में हिन्दी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 19 कर्मचारीगण भाग लिये और 9 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए। श्री ए तिरुवाम्बलम, उपाध्यक्ष (कार्य) एवं श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक (एचआर & ईआर) ने हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का निर्णय किया।

07.09.2019 को राजभाषा हिन्दी लिखित प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 14 कर्मचारीगण भाग लिये और 3 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए। श्री महेंद्र दास, कनिष्ठ अधिकारी (राजभाषा व प्रशासन) ने हिन्दी लिखित प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता का निर्णय किया।

09.09.2019 को श्री ए तिरुवाम्बलम, उपाध्यक्ष (कार्य) एवं श्री तपन कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष (विपणन) की अध्यक्षता में हिन्दी अंत्याक्षरी समूह प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 20 कर्मचारीगण भाग लिये और 10 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए। श्री ए तिरुवाम्बलम, उपाध्यक्ष (कार्य) एवं श्री तपन कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष (विपणन) ने हिन्दी अंत्याक्षरी समूह प्रतियोगिता का निर्णय किया।

11.09.2019 को श्री तपन कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष (विपणन) की अध्यक्षता में हंसो और हँसाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 14

.....

कर्मचारीगण भाग लिये और 3 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए। श्री तपन कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष (विपणन) ने हंसो और हँसाओ प्रतियोगिता का निर्णय किया।

12.09.2019 को एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अतिथि वक्ता थीं- श्रीमति अरुणा, हिंदी अधिकारी, चेन्नै पोर्ट ट्रस्ट। हिन्दी कार्यशाला में 11 कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

.....

हिन्दी दिवस
एवं

.....

17.09.2019 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष, श्री आर एम उदयराजा, मुख्य परिचालन अधिकारी (एलसी) की अध्यक्षता में चेन्नई कार्यालय में भव्य रूप से राजभाषा हिन्दी दिवस, हिन्दी पखवाड़ा समारोह मनाया गया। समारोह का शुभारम्भ श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक (एचआर & ईआर) ने अपने वक्तव्य से किया। श्री महेंद्र दास, कनिष्ठ अधिकारी (राजभाषा & प्रशासन) ने कर्मचारीगण को हिन्दी दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए श्री प्रबाल बासु (अध्यक्ष & प्रबन्धक निदेशक) के संदेश को पढ़ा, जिसमें सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे। राजभाषा कार्यान्वयन के अध्यक्ष श्री आर एम उदयराजा, मुख्य परिचालन अधिकारी (एलसी) ने आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया तथा भाग लिए सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री आर.एम उदयराजा, मुख्य परिचालन अधिकारी (एलसी) की अध्यक्षता में दिनांक 26.09.2019 को जुलाई से सितंबर 2019 तक की अवधि के लिए ओएलआईसी की बैठक हुई, जिसमें चेन्नई परिचालन के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

.....

मैं हिन्दी

मैं हिन्दी - माँ "संस्कृत" की लाड़ली बेटी हूँ
मुझे अपनी सभी बहनों से बेहद मोहब्बत है
सबके साथ चलना अच्छा लगता है
अँग्रेजी से भी मुझे कोई बैर नहीं

मैं सुंदर हूँ, मीठी हूँ और बेहद सरल हूँ
आसान इतनी कि उत्तर, पश्चिम, पूरव या हो दक्षिण
सबके जीवन में काम आती हूँ
मैं भारत के हर प्रान्तों में सबके साथ रहती हूँ

फिर भी
अपने ही घर - आँगन में अतिथि की तरह स्वागत की जाती हूँ
सितंबर माह कितना खूबसूरत लगता है

दिखावे के अनगिनत खूबसूरत शब्दों से मेरा परिचय सबसे कराया जाता है
हर वर्ष ये एक माह मुझे हर दफ्तर में सुंदर सुंदर वस्त्रों की तरह सजाया जाता है
मैं सब देखती हूँ, कुछ पलों के लिए इतराती हूँ, हँसती हूँ, मुसकुराती हूँ
और अपने आंसुओं को पी जाती हूँ

काश! कोई समझ पाता कि अपने ही घर में अपनों के बीच
अतिथि बनकर रहना मन को कितना भेदता है
तुम्हारी मोहब्बत अँग्रेजी से है, मुझे कोई शिकायत नहीं
लेकिन तुम्हारी दुनियादारी में मैं काम आती हूँ, मेरी बहनें काम आती हैं
मत भूलना, मैं तुम्हारे आँगन की बेटी हूँ
तुम्हारी अपनी हूँ।

ममता प्रसाद
वरिष्ठ प्रबन्धक (राजभाषा कार्यान्वयन & जी डी)

.....

उम्मीद

हम अक्सर सुनते हैं कि आदमी जब **“गुस्से या नफ़रत”** में होता है तो उसके दिमाग में कोई ना कोई थॉट प्रोसेस या केमिकल परिवर्तन चल रहे होते हैं जो उसके शरीर तथा स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं होते हैं।

एक दिन मैंने सोचा कि इसके विपरीत **"उम्मीद"** आखिर क्या चीज़ है और यह हमारे थॉट प्रोसेस के लेवल और हमारे सब-कॉन्सियस माइंड पर क्या प्रभाव डालती है। इसे समझने के लिए मैंने काफी साहित्य पढ़ा तथा कई बड़े डॉक्टर और अन्य विद्वानों से विचार विमर्श किया। तब मुझे इसका हमारे जीवन में कितना महत्व है, समझ में आया। जीवन की कई घटनाओं पर इसे जाँचा, परखा और पाया कि इसका हमारे जीवन के सुख-दुःख, जीवन-मरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मैं आपसे एक सच्ची घटना शेयर करना चाहता हूँ जिससे आप इसे बड़े सरल तरीके से समझ पाएंगे।

उम्मीदों की कश्ती डुबाया नहीं करते, मंज़िल दूर हो तो रोया नहीं करते

रखते हैं जो दिल मे उम्मीद कुछ पाने की, वो लोग जीवन में कुछ खोया नहीं करते

मेरे एक मित्र हैं संजय चावला, जो एक बहुत बड़े डॉक्टर हैं। उन्होंने बताया कि मेरे पास एक पेशेंट आया जिसे ब्रेन ट्यूमर था। जब मैंने उसे देखा तो पाया कि वो मेरे कॉलेज का मित्र अजय था। जाँच करने के बाद मैंने उसका ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन सफल रहा। हमारी दोस्ती और भी पक्की हो गई। मेरा जो प्रोफ़ेशनल रिश्ता था वो अपनी जगह था। उसने पूछा "यार, मैं ठीक हो जाऊँगा"? मैंने कहा "हाँ यार तुम बिलकुल ठीक हो जाओगे।"

समय बीतने के साथ उसका मर्ज़ बढ़ता गया। अब उसको लगने लगा कि वो नहीं बच पायेगा। धीरे धीरे जटिलताएं और बढ़ती गई, वो फिर बार बार पूछता "मैं ठीक हो जाऊँगा", मैंने कहा "हाँ यार हम सब कोशिश कर रहे हैं, तुम फिर से ठीक हो जाओगे।"लेकिन भगवान ने हमारा साथ नहीं दिया तथा दिन प्रतिदिन उसकी तबियत ख़राब होती गई। मैंने सोचा अबकी बार जब वो पूछेगा तो मैं सच सच बता दूँगा। उसने मुझसे कहा "यार, अब उठने बैठने में भी तकलीफ होती है तथा दर्द भी बढ़ता जा रहा है। अब तो सच सच बता दे कि मैं ठीक हो पाऊँगा या नहीं"? मैंने कहा यार, आखिर एक दिन सबको इस दुनिया से जाना है। मुझे लगता है अब तुम्हारा ठीक हो पाना मुश्किल है, उसने कहा "ओके, कोई बात नहीं" और मैं घर आ गया। मेरा मन बहुत बोझिल और परेशान था। मैंने सोचा चलो एक बार फ़ोन करके उसे कुछ तसल्ली देते हैं। उसकी पत्नी ने फोन उठाया, **मैंने कहा "मेरी उससे बात करा दो।"उसने कहा "वो तो आपके जाने के पांच मिनिट बाद ही मर गए।"**

उसने अपनी डायरी में लिखा कि...जो उम्मीद की तार थी वो मेरे हाथों ने पकड़ी हुई थी और वो तार ही उसको जिन्दा रखे हुए थी। जबतक मैं कहता रहा तू ठीक हो जायेगा उसके अंदर की एनर्जी इतनी स्ट्रांग थी की वो दवाइयों से ज्यादा असर कर रही थी और उसको जीवित रखती रही और जैसे ही मैंने उसकी यह उम्मीद की तार काटी वो पांच मिनट में चल बसा।

“उम्मीद" वो ताक़त है जो हमारे अंदर एक मोटिवेशन, एक ज़ज़्बा और गिरे हुए को भी उठने का हौंसला देती रहती है। तभी तो सब लोग कहते हैं "**दुनिया उम्मीदों पर जिंदा है**" लेकिन हम अपने निजी जीवन में "उम्मीद" का महत्व नहीं समझ पाते तथा कुछ बड़ा काम करने से पहले ही सोच लेते कि यह काम नहीं हो पाएगा और वास्तव में वो काम हम बाद में कर भी नहीं पाते क्योंकि हमने उम्मीद की तार शुरू से काट दी होती है।

किसी शायर ने सच ही कहा है ;

तुम अपने गम भुलाकर तो देखों, बिन बात मुस्करा कर तो देखो

राहें खुद-ब-ख़ुद आसान हो जाएंगी, तुम उम्मीदों के दीये जलाकर तो देखो

एस सी विरमानी

जी & एल - कोलकाता

.....

दैनिक नेमी टिप्पणियाँ / Daily Routine Notings

1. Above said: उपर्युक्त
2. According to rules: नियमानुसार
3. Accountable for: उत्तरदायी होना
4. Additional demand: अतिरिक्त मांग
5. Anticipated increase: प्रत्याशित वृद्धि
6. As fixed by the Company: कंपनी द्वारा यथा निर्धारित
7. As laid down in: में यथा निर्धारित
8. As stipulated in the contract: संविदा में यथा अनुबंधित
9. Belated decision: विलम्ब से किया गया निर्णय
10. By mutual agreement: परस्पर समझौते द्वारा
11. Cannot be over emphasized: इस महत्व के बारे में अधिक कहने की आवश्यकता नहीं
12. Commissioning of project: परियोजना का चालू किया जाना
13. Conscious decision: सचेतन निर्णय
14. Contention does not seem to be correct: यह तर्क सही नहीं मालूम पड़ता
15. Checked and found correct: जाँच की और सही पाया
16. Delay in installation: प्रतिष्ठापन में विलम्ब
17. Do the needful: आवश्यक कार्रवाई करें
18. Draft for approval: अनुमोदनार्थ मसौदा
19. End use condition: अंतिम उपयोग की शर्त
20. Envisage: परिकल्पना करना
21. Establishment cost: स्थापना लागत
22. Follow up action: अनुवर्ती कार्रवाई
23. For action: कार्रवाई के लिए
24. For comments: टिप्पणी के लिए
25. For consideration: विचारार्थ
26. For further action: आगे की कार्रवाई के लिए
27. Financial concurrence: वित्तीय सहमति
28. For perusal: अवलोकनार्थ
29. Financially liable: वित्तीय दृष्टि से सक्षम / व्यवहार्य
30. For signature: हस्ताक्षरार्थ / हस्ताक्षर के लिए
31. I am desired to say: मुझे निवेदन करने के लिए कहा गया है
32. I authorise you: मैं आपको प्राधिकार देता हूँ
33. I am to add: मुझे यह भी लिखना है
34. I beg to submit: निवेदन है कि
35. I have the honour to say: सादर निवेदन है
36. Idle investment: निष्क्रिय निवेश
37. It may, however, be: तथापि यह उल्लेखनीय है
38. Linking up: संबद्ध करना
39. Low capacity utilization: क्षमता का कम उपयोग
40. Machine hours: मशीन घंटे
41. Marginal rate: सीमान्त दर
42. May please see: कृपया देखें
43. Negotiated rates: बातचीत द्वारा तय की गई दरें
44. Please discuss: कृपया चर्चा करें
45. Put up: प्रस्तुत करें
46. Overall review: समग्र समीक्षा
47. Obligatory returnable: अनिवार्य / बाध्यकारी रूप से वापस करने योग्य
48. Plea is not tenable: तर्क स्वीकार्य नहीं है
49. Tailor made: तदनुकूल
50. Viewed in the above context: उपर्युक्त संदर्भ में देखने पर

योगदान - कौशिक प्रसाद, उप प्रबन्धक (रा भा का)

.....

अर्थ के साथ हिंदी और अंग्रेजी मुहावरें
English-Hindi Idioms with meaning

किसी भी बात को प्रभावशाली तरीके से पेश करने या रोचकता लाने हेतु हर एक भाषा में मुहावरों का प्रयोग किया जाता है। इसी तरह हिन्दी भाषा में भी ऐसी कई मुहावरें हैं, जिनमें से अंग्रेजी समतुल्य कुछ मुहावरों को संगृहीत कर अर्थों के साथ आपकी जानकारी हेतु यहाँ दिया जाता है।

मुहावरा / Proverb 1: It takes two to make a quarrel
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: एक हाथ से ताली नहीं बजती
अर्थ / Meaning: जब दो लोगों में विवाद होता है तो दोनों की ही कुछ न कुछ गलती होती है

मुहावरा / Proverb 2: A drowning man will clutch at a straw
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: डूबते को तिनके का सहारा
अर्थ / Meaning: मुसीबत में पड़ा व्यक्ति उससे निकलने का हर एक प्रयास करता है

मुहावरा / Proverb 3: Pure gold does not fear the flame
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: सांच को आंच क्या
अर्थ / Meaning: जो सच्चा होता है उसे किसी बात का डर नहीं होता है

मुहावरा / Proverb 4: Empty vessels make the most noise
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: थोथा चना बाजे घना / अधजल गगरी छलकत जाय
अर्थ / Meaning: जिसको कम ज्ञान होता है वो दिखावा करने के लिए अधिक बोलता है

मुहावरा / Proverb 5: Birds of same feather flock together
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: चोर – चोर मौसेरे भाई / एक ही थैली के चट्टे-बट्टे
अर्थ / Meaning: एक जैसे लोग एक साथ रहते हैं

मुहावरा / Proverb 6: Do evil and look for the like
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: कर बुरा तो होय बुरा / जैसी करनी वैसी भरनी
अर्थ / Meaning: जो जैसा करता है उसके साथ वैसा ही होता है

मुहावरा / Proverb 7: Good mind good find
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: आप भले तो जग भला
अर्थ / Meaning: जो खुद अच्छा है उसके लिए सब अच्छा है

मुहावरा / Proverb 8: Might is right
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: जिसकी लाठी उसकी भैंस
अर्थ / Meaning: जो ताकतवर होता है उसी की बात माननी पड़ती है

.....

मुहावरा / Proverb 9: Fog cannot be dispelled by a fan
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती
अर्थ / Meaning: बड़े काम के लिए बड़ा प्रयत्न करना पड़ता है

मुहावरा / Proverb 10: Barking dogs seldom bite
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: जो गरजते हैं वो बरसते नहीं
अर्थ / Meaning: जो ज्यादा बोलते हैं वे कुछ करते नहीं हैं

मुहावरा / Proverb 11: As you sow so shall you reap
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: जैसा बोओगे वैसा काटोगे
अर्थ / Meaning: कर्म के हिसाब से ही फल मिलता है

मुहावरा / Proverb 12: As the king so are the subjects
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: जैसा राजा वैसी प्रजा
अर्थ / Meaning: जैसा नेतृत्व होगा वैसे ही अनुयायी होंगे

मुहावरा / Proverb 13: Diamonds cut diamonds
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: लोहा लोहे को काटता है
अर्थ / Meaning: शक्तिशाली को शक्तिशाली ही हरा सकता है

मुहावरा / Proverb 14: A honey tongue a heart of gall
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: मुख में राम बगल में छूरी
अर्थ / Meaning: ऊपर से चिकनी -चुपड़ी बातें करना और अन्दर से बुरे विचार रखना

मुहावरा / Proverb 15: Pure gold does not fear the flame
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: सांच को आंच क्या
अर्थ / Meaning: जो सच्चा होता है उसे किसी बात का डर नहीं होता है

मुहावरा / Proverb 16: Don't look a gift horse in the mouth
हिन्दी समतुल्य / Hindi Equivalent: दान की बछिया के दांत नहीं देखे जाते
अर्थ / Meaning: दान में मिली चीजों में कमी नहीं निकालनी चाहिए

योगदान :- शिव नाग कुमार चेरुकुपल्ली
वरिष्ठ प्रबन्धक [मा. स. व राजभाषा]

.....

अपने साथी बामर लॉरियन को जानें...

सी आर सुर्वे
प्रमुख [वित्त], वेकेशंस (एसबीयू: टी एंड वी), मुंबई

आप कब से बामर लॉरी में काम कर रहे हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैं बामर लॉरी (बीएल) के मुंबई में स्थित औद्योगिक पैकेजिंग (आईपी) के सिउड़ी संयंत्र में 4 नवंबर 1986 को शामिल हुआ। यह एक बहुत लंबी लेकिन एक सुंदर यात्रा रही है, और 33 वर्षों की सेवा पूरी करने और तीन से अधिक एसबीयू में विभिन्न भूमिकाओं को संभालने के बाद, वर्तमान में मैं एसबीयू : ट्रैवल & वेकेशंस में प्रमुख [वित्त], वेकेशंस हूं।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

बीएल एक ऐसी कंपनी है जो सभी कर्मचारियों को पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। कंपनी एक परिवार की तरह है और हर कोई आपको सहजता महसूस कराता है। बीएल की उदार संस्कृति कर्मचारियों को नए विचारों के साथ आने के लिए प्रोत्साहित करती है । मुझे बामर लॉरी में विभिन्न अवसर मिले हैं, और उनमें से एक है वर्ष 2013 में लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोर टीम के सदस्य के रूप में मेरा चयन, जब बीएल ने सैप लागू किया था।

बीएल बदलाव के लिए भी अनुकूल है और समय के साथ बदलने की क्षमता के अलावा, खुलापन और विशेष रूप से शीर्ष प्रबंधन तक पहुंच, इसकी विशिष्टता है। जब मैं बीएल में शामिल हुआ, तो हम मैन्युअल रूप से खातों का रखरखाव करते थे और कागज़ पर ट्रेल बैलेंस लेते थे और आज यह सैप के एक क्लिक पर उपलब्ध है। यह परिवर्तन मैनुअल रूप से फॉक्सप्रो - कोबोल - साइबेस से शुरू हुआ - और अब हम सैप पर हैं। इसी तरह, जब भारत में कम्प्यूटरीकरण नया था, तो कंपनी ने इसे अपनाया और विभिन्न चरणों में लागू किया। 1987 में आईपी सिउड़ी कारखाने के लिए एक आम डेस्कटॉप आईटी कमरे में रखा गया था; जिज्ञासा से मैंने स्टील कॉइल की मोटाई / स्टील कॉइल की उपज के लिए लोटस 123 में ग्राफ की खोज शुरू की, जिसे श्री केजी गार्खेडकर (वर्क्स मैनेजर) और श्री राजीव सिंघल (डीजीएम- आईपी) ने सराहा। कॉइल की बेहतर गुणवत्ता के लिए इन ग्राफिकल रिकॉर्ड को स्टील आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझा किया गया। मैं उन दिनों बहुत युवा था और पूरे आईपी प्रबंधन ने मुझे इस तरह की नई पहल के लिए प्रेरित किया।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू जो मुझे हमारी कंपनी के बारे में पसंद है कि यदि कोई कर्मचारी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम कर रहा है, तो उसे प्रबंधन द्वारा तुरंत ध्यान दिया जाता है।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

यदि मुझे कई यादगार क्षणों में से किसी एक का नाम लेना हो तो वह है वर्ष 1998 का वह दिन - जब मैं द्रोणागिरि में स्थित कंपनी के नए कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस) के लिए स्वतंत्र यूनिट एकाउंटेंट के रूप में चुना गया था, जिसके लिए मैं अपने परामर्शदाता डॉ. पी सी बासु जी, उप महाप्रबंधक (वित्त), पश्चिमी क्षेत्र का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे इस चुनौतीपूर्ण भूमिका को लेने के लिए प्रेरित किया। व्यवसाय मेरे लिए नया था और उस समय एकल इकाई / संयंत्र में उच्चतम निवेश के साथ कंपनी के लिए एक नई परियोजना थी। डॉ. पीसी बासु को मुझ पर पूरा भरोसा और विश्वास था। आशंका से बाहर, जब मैंने उनके साथ इस भूमिका को लेने के लिए चर्चा की, तो उन्होंने मुझे यह कहते हुए प्रोत्साहित किया और इस भूमिका के लिए प्रेरित किया - **"मृग को अपनी अहमियत का अंदाजा नहीं होता, वो खुशबू के लिए अपने आस पास ही भटकता है, जब कि कस्तूरी की खुशबू उसके अपने नाभि से आ रही होती है"**। उक्त भूमिका को सौंपने से पहले उन्होंने मुझे मुंबई विश्वविद्यालय से वित्त प्रबंधन में डिप्लोमा पूरा करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने मुझे अवसरों और कार्यों का भार भी दिया ताकि न केवल मैं सीख सकूं बल्कि उन शिक्षाओं को अपने भविष्य के कार्यों में उपयोग भी कर सकूँ । मैं अपने जीवन में एक ऐसे अद्भुत व्यक्ति के लिए धन्य महसूस करता हूं।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

मेरी पत्नी स्नेहा। वह मुझे जीवन के हर क्षेत्र में प्रेरित करती हैं, फिर चाहे वह मेरे परिवार और घर की देखभाल करने का तरीका हो, "कर्म" में उनका विश्वास, उनकी रचनात्मकता, प्यार और सभी के लिए उनका एकजुट समर्थन, जो मुझे जमीं पर रखता है। वह मेरे घर और परिवार की इतनी अच्छी तरह से देखभाल करती है कि मुझे अपने घरेलू कर्तव्यों के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है और मैं अपने आधिकारिक कार्यों / कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकता हूं। वह मेरे काम का समर्थन करती है और मेरे और मेरे परिवार के बीच का सेतु है। वह सच्चे अर्थों में मेरी ताकत का स्तंभ है।

.....

आप किस जगह से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले (कोंकण क्षेत्र) के कुंभरखानी गांव से हूं। मैंने अपनी प्राथमिक स्कूली शिक्षा अपने गाँव के एक स्कूल से प्राप्त की। हर वर्ष, गणपति महोत्सव के दौरान मैं अपने गांव में अपने पुश्तैनी मकान में जाकर रहता हूं। यह जगह मेरे दिल के बहुत करीब है और मुझे खूबसूरत प्रकृति का आनंद लेने के लिए प्रेरित करती है। मेरे परिवार में मेरी मां सीताबाई, पत्नी स्नेहा, बेटी कंचन और बेटा योगेश है। कंचन एलएलबी और सीएस प्रोफेशनल के अंतिम वर्ष में हैं। योगेश ने अभी मार्केटिंग में अपने करियर की शुरुआत की है।

आपके शौक क्या हैं?

मुझे तैरना अच्छा लगता है। दरअसल, मैंने नदी में तैराकी सीखा है न कि स्विमिंगपूल में। जब भी मैं गाँव में होता हूँ, मुझे मछली पकड़ने में मज़ा आता है।

150 वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

मुझे गर्व है और साथ ही 150 वर्षों की समृद्ध विरासत के तीन दशकों से अधिक का हिस्सा बनने और हमारे द्वारा की गई प्रगति का गवाह बनने के लिए धन्य महसूस करता हूं।

प्रत्येक युग अलग था, और हमारे संगठन ने परिवर्तनों को सफलतापूर्वक अपनाया है।

सफलता का मंत्र है - **"समय के साथ बदलें"**।

देवेंद्र तिवारी
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, ट्रैवल (एसबीयू: टी एंड वी), दिल्ली

आप कब से बामर लॉरी में काम कर रहे हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैं सितंबर 2012 में संगठन से जुड़ा। अब मुझे संगठन में छह वर्षों से अधिक का अनुभव है। वर्तमान में मैं ट्रैवल, दिल्ली का प्रमुख हूँ और मैं पी & एल सहित उत्तरी क्षेत्र के समग्र प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार हूं।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

भले ही बामर लॉरी एक सरकारी उद्यम है, कार्यशैली की तुलना उद्योग में सर्वश्रेष्ठ से की जा सकती है। जैसा कि मैंने यात्रा व्यवसाय में हूँ, मैं यात्रा के लिए विशिष्ट हूं। इसके अलावा, मैं कहूंगा कि वरिष्ठ स्तर पर लोगों तक पहुँच सुगम हैं और वे सुनने के लिए तैयार हैं।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

मैं एक निजी क्षेत्र से बामर लॉरी में शामिल हुआ। अपनी शुरुआती अवधि के दौरान, मुझे टीम का हिस्सा बनने का अवसर दिया गया, जिसे टिकटिंग वर्टिकल यानी हब और स्पोक मॉडल के विकास के पूरे संचालन के केंद्रीकरण के लिए एक मॉडल का प्रस्ताव करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हमारे विचार को वरिष्ठ प्रबंधन (सीएंडएमडी और निदेशक [सेवा व्यवसाय]) द्वारा अच्छी तरह से सुना गया और शेष इतिहास है।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

मेरी मां मेरी प्रेरणा हैं। उनके प्रत्येक चाल व शब्द मुझे प्रभावित करते हैं और मेरे जीवन पर प्रभाव डालते हैं। उनकी इच्छाशक्ति अद्भुत है और मुझे अभी तक एक ऐसे व्यक्ति से मिलने का संयोग नहीं हुआ जिसकी तुलना उनके साथ की जा सकती है। वह कई लोगों के लिए एक प्रेरणा है और उनमें एक सिपाही की तरह मौत से न हारने का रवैया था।

आप किस जगह से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं उत्तर प्रदेश का हूं और हम दो भाई और एक बहन हैं। मेरे पिता वायु सेना के दिग्गज हैं और मेरे भाई भी वायु सेना से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मेरी अर्धांगिनी पूजा अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर हैं और एक सफल गृहिणी हैं। मेरे दो बच्चे हैं, मेरी बेटी मेहल बड़ी है जो कि डीपीएस नोएडा में 12वीं कक्षा में अध्ययनरत है और बेटा तारुश डीपीएस नोएडा में 9वीं कक्षा में अध्ययनरत है।

.....

आपके शौक क्या हैं?

मुझे यात्रा करना पसंद है और अलग-अलग जगहों पर रहना पसंद है। मैंने अपने परिवार के साथ भारत के लगभग सभी लोकप्रिय स्थानों की यात्रा की है। हाल ही में मैंने मध्य यूरोप की एक एकल यात्रा की थी; क्या अद्भुत यात्रा थी!

मैं एक खेल प्रेमी हूं और मैंने स्कूल स्तर पर राष्ट्रीय हॉकी का प्रतिनिधित्व किया है।

150 वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

एक ऐसे संगठन से जुड़ना जिसकी 150 वर्षों से अधिक की समृद्ध विरासत है और जो अत्यधिक विविध भी है, मेरे लिए गर्व का विषय है। यह एक ऐसी संस्था है जो बदलती बाजार परिस्थितियों के साथ बदल गई है और अपनी समृद्ध संस्कृति को बनाए रखते हुए प्रतिस्पर्धी बनी हुई है।

टी इन्दिरा
वरिष्ठ प्रबन्धक [वाणिज्य],
एसबीयू: एलसी, चेन्नई

आप कब से बामर लॉरी में काम कर रही हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैं दिसंबर 2019 तक अपनी सेवा के 33 वर्ष पूरी करूंगी । वर्तमान में मैं एसबीयू: चर्म रसायन (एलसी) में वरिष्ठ प्रबन्धक [वाणिज्य] के पद पर कार्यरत हूं।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

- संस्कृति: बामर लॉरी के पास एक अच्छी कार्य संस्कृति है और कर्मचारियों को स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति देता है। साथ ही, वरिष्ठों से अच्छा समर्थन मिलता है और कर्मचारियों को उनके प्रयासों के लिए प्रेरित किया जाता है और उनकी सराहना की जाती है।
- कार्य की सहजता के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग।

ऐसी कई अच्छी चीजें हैं लेकिन ये प्रमुख हैं जो मुझे पसंद हैं।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

मेरे पास कई ऐसे पल थे जो सबसे यादगार हैं। वर्ष 2000 में, एसबीयू: एलसी में एक अग्नि दुर्घटना हुई थी। दुर्घटना के बाद पहली दृष्टि अविस्मरणीय थी; कार्यालय में हमारे काम करने की जगह प्रभावित हुई। हमें अपने कार्यस्थल को बदलना पड़ा। यादगार क्षण वह दिन था जब हमने संयंत्र में प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के बाद कार्यालय फिर से शुरू किया, जब डिवीजन को थोड़े समय में सामान्य स्थिति में वापस ले आया गया।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

हमारे आसपास की सभी चीजें मुझे अपने जीवन में प्रेरणा दे रही हैं। वास्तव में, जो व्यक्ति मुझे प्रेरित करता है, वह हर पहलू से कोई एक व्यक्ति नहीं है और मैं ऐसे व्यक्तियों की तलाश करता हूं जो मेरे जीवन में मेरे तत्कालीन प्रचलित परिस्थितियों में सफल हों। फिर भी, मेरे पिता मेरी पसंदीदा हैं, जिन्होंने अपनी चार बेटियों को एक ऐसे स्तर तक बढ़ाया, जो उनके जीने के तरीके की तुलना में बहुत ऊपर है।

आप किस जगह से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं चेन्नई से हूँ। मेरा परिवार छोटा है, जिसमें शामिल हैं मेरे पति और इकलौता बेटा। मेरा बेटा वर्तमान में कनाडा में इंजीनियरिंग स्नातक की पढ़ाई कर रहा है। तो, घर पर मैं और मेरे पति ही हैं। हालांकि, विस्तारित परिवार बहुत बड़ा है, क्योंकि मेरे चार भाई बहन हैं।

आपके शौक क्या हैं?

सच कहूँ तो, मुझे अभी तक एक भी शौक का पता नहीं है। अगर कुछ ऐसा करना जो मुझे बहुत खुशी देता है, वह एक 'शौक' की परिभाषा हो, तो मुझे यह कहने में खुशी होगी कि मेरे पास कई हैं। इस सूची में फैशन फॉलोअर, इंटीरियर डेकोरेशन, वीणा बजाना, रोजाना श्लोकों का पाठ करना, रंगोली बनाना, कर्नाटक संगीत सुनना, ज्योतिष सीखना आदि शामिल हैं। भले ही लोग मुझे एक साधारण व्यक्ति के रूप में देखते हैं, मैं हमेशा कहती हूं कि 'जटिल' मेरा दूसरा नाम है।

150 वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

150 वर्षों की समृद्ध विरासत होने के बाद भी, हमारी कंपनी ने अपनी छवि को ऊंचा रखने के लिए परियोजनाओं को जारी रखा है। जिसमें शामिल

.....

है सूचना प्रौद्योगिकी का अद्यतन, विनिर्माण उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्त करना, कर्मचारियों को बाहरी परामर्श के माध्यम से डेटा विश्लेषण के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग करने हेतु एक्सपोज़र देना, उचित विस्तार आदि द्वारा बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास। मैं इस संगठन का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही हूं।

मौमिता कर्मकार
सहायक प्रबंधक [मानव संसाधन], क्षे.मा.सं. – पूर्व, कोलकाता

आप कब से बामर लॉरी में काम कर रही हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैंने 1 नवंबर, 2019 को बामर लॉरी (बीएल) में 2 साल पूरे किए। मैंने कार्पोरेट कार्यालय, कोलकाता के क्षेत्रीय मानव संसाधन – पूर्वी टीम में सहायक प्रबंधक [एचआर] के रूप में बीएल में प्रवेश लिया।

मैं सेंट्रल सर्विस के लिए एसबीयू एचआर हूं और पूर्वी क्षेत्र में भर्ती, प्रशिक्षु भर्ती, प्रशिक्षण, एचआर संचालन आदि का ध्यान रखती हूं।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

निश्चित रूप से बामर लॉरी की 150 + वर्षों की समृद्ध विरासत !

इसके अलावा, बामर लॉरी एक अत्यधिक विविधतापूर्ण समूह के रूप में खड़ा है, जिसकी सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में मौजूदगी है और कॉरपोरेट कार्यालय में पदस्थ होने के नाते, मैं आसानी से इतने सारे एसबीयू जैसा कि टिकटिंग, वेकेशंस, लॉजिस्टिक्स आदि - को दैनिक आधार पर एक ही छत के नीचे एक साथ काम करते हुए देख सकती हूँ।

इसके अलावा, ऐसे कर्मचारी भी हैं जिन्होंने बीएल में अपना करियर शुरू किया है और अभी भी इस कंपनी का हिस्सा हैं, तीन दशकों से अधिक समय बिता रहे हैं, जिसे हम शायद ही निजी कंपनियों में देखते हैं और इन पुराने लोगों के कारण स्वागत योग्य-स्वस्थ कार्य वातावरण है।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

बीएल में मेरे दो साल के कार्यकाल में बहुत सारे यादगार क्षण थे, लेकिन मैं कुछ का उल्लेख करना चाहूंगी, जो मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), मैंगलोर द्वारा सितंबर, 2019 में आयोजित तेल और गैस सार्वजनिक उपक्रमों के 57 वें एचआर शिखर सम्मेलन में अपनी प्रस्तुति से शुरू हुआ; नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा सीएसआईआर में आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की उपस्थिति में पुरस्कार प्राप्त करना और साथ ही 153 वें स्थापना दिवस के अवसर पर जब मुझे फोटोग्राफी प्रतियोगिता में तीसरे स्थान के लिए निदेशक (एसबी), श्री के स्वामीनाथन से पुरस्कार मिला था।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

मैं अपने एमबीए कॉलेज के प्रोफेसर श्री अमिताभ गुहा से प्रेरित हूं, जो एक पूर्व टाटा स्टील एचआर पेशेवर और मेरे वरिष्ठ सहयोगियों में से एक है।

आप किस जगह से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं कोलकाता से ताल्लुक रखती हूँ, हालाँकि मेरा ज्यादातर बचपन पश्चिम बंगाल के बाहर बीता।

मेरा जन्म गुजरात स्थित वडोदरा में हुआ था और मैंने अपनी स्कूली शिक्षा श्रीनगर, जोधपुर और सूरतगढ़ के वायु सेना स्कूलों और केन्द्रीय विद्यालयों से प्राप्त की।

मेरे परिवार में मेरे पिता हैं, जो एक पूर्व-एयरमैन हैं और वर्तमान में फ्रांस स्थित एमएनसी में कार्य कर रहे हैं, मेरी माँ जो एक गृहिणी हैं और मेरे भाई जो वर्तमान में अपने 3 वर्ष के स्नातक स्तर की पढ़ाई कर रहे हैं।

आपके शौक क्या हैं?

मुझे सैर करना, खाली समय में उपन्यास पढ़ना एवं फिल्में विशेषकर स्काइ-फाई एवं फंतासी फिल्में देखना पसंद है।

150 वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

मैं एक ऐसी कंपनी का हिस्सा बनकर बहुत गौरवान्वित महसूस करती हूं, जिसकी यात्रा 150+ वर्ष की है और अभी भी अपने मूल्यों, कार्य संस्कृति और निश्चित रूप से वर्षों से इससे जुड़े अद्भुत लोगों के कारण मजबूत होती जा रही है।

अवार्ड्स & अककोलेड्स

➲ एसबीयू : ग्रिसेस & लुब्रिकेंट्स (जी & एल) को वर्ष 2018-19 के लिए टाटा मोटर्स लिमिटेड, स्पेयर पार्ट्स डिवीजन से सर्वश्रेष्ठ लुब्रिकेंट्स आपूर्तिकर्ता पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार कंपनी की ओर से श्री एम.सी गुप्ता, सह-उपाध्यक्ष [विपणन] और श्री एम आर चित्रे, मुख्य प्रबंधक [संविदा और प्रसंस्करण व्यवसाय] ने ग्रहण किया।

जी&एल टीम को बधाई!

➲ बामर लॉरी ने स्कोप कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस एक्सीलेंस अवार्ड्स 2019 के दौरान दो श्रेणियों में पुरस्कार जीता - 'डिजिटल मीडिया के प्रभावी उपयोग' के अन्तर्गत वैकेशंस एक्सोटिका (वीई) ब्रांड द्वारा 'कलेक्ट स्टोरीज' अभियान और 'स्पेशल ब्रांड बिल्डिंग पब्लिकेशन' श्रेणी के तहत संगठन के 150 वर्ष पूरे होने के दौरान लिखी गई इतिहास पुस्तिका 'मेकिंग ऑफ द नेक्स्ट'। 1 अगस्त व 2 अगस्त को नई दिल्ली में स्कोप द्वारा आयोजित कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस सम्मेलन के दौरान सिक्किम के पूर्व राज्यपाल डॉ॰ बीपी सिंह ने यह पुरस्कार प्रदान किया। कंपनी की ओर से श्री ए रत्न शेखर, निदेशक [मा.सं & सीए] ने कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस और वीई टीम के सदस्यों के साथ पुरस्कार ग्रहण किया।

Edited by Mohar Mukhopadhyay, Head - Corporate Communications, Balmer Lawrie & Co. Ltd.
Printed at Semaphore Technologies Pvt. Ltd., Kolkata.

पूर्वी क्षेत्र में हिन्दी पखवाड़े के दौरान स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के लिए दी गई कुछ स्लोगन प्रविष्टियाँ निम्नलिखित हैं।

हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी बनेगी खास,
जो है बामर लॉरी का प्रयास
प्रथम (विजय कुमार दास, उप प्रबंधक - कार्पोरेट आईटी)

भाषाओं में महान हिंदी है,
गर्व से कहो हम हिंदुस्तानी है।
द्वितीय (चैताली दत्ता, कराधान विभाग)

हिंदी है भारत की आशा,
हिंदी है भारत की भाषा।
तृतीय (मौमिता कर्मकार, सहा.प्रबंधक - क्षे.मा.सं.-पूर्व)

हिंदी की पहचान बढ़ायेंगे,
जागरूकता समाज में फैलायेंगे।
सांत्वना (मनीष कुमार, सहा.प्रबंधक - कार्पोरेट आईटी)

राष्ट्रभाषा के बिना, राष्ट्र की पहचान नहीं,
सबसे प्यारी, सबसे न्यारी, हिंदी है राष्ट्रभाषा हमारी।
इंद्राणी मुखर्जी, उप प्रबंधक(मा.सं.) - आईपी

This House Journal contains information relating to Balmer Lawrie and is published for circulation amongst its employees. This has no commercial value and is not sold to the public.